जिन्दगी में आप आए, शुक्रिया है शुक्रिया
मिशन को जीकर दिखाए, शुक्रिया है राजमाँ

सत्गुरू के दर पे ही जिन्दगी गुजार दी
रह के गुरू के घर में भी, गुरूसिखी की मिसाल दी
भेद गुरमत के बताए, शुक्रिया माँ शुक्रिया

रहना कैसे सबने है, अपने घर परिवार में
आपने ही सिखलाया जी के खुद साकार में
खुशियाँ घर- घर में हो लाए शुक्रिया माँ शुक्रिया

सत्गुरू को क्या है भाए, आपसे जाना है ये
सब के संग कैसे निभाएँ, आपसे जाना है ये
बख्श दी सबकी खताए शुक्रिया माँ शुक्रिया

आपके वरदान ऐ माँ आज भी रंग ला रहे
आज घर - घर में हर इक दिल में हो तुम मुस्का रहे
सर झुका के करता 'दिलवर' शुक्रिया माँ शुक्रिया

(तर्ज : आप की नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे.....)